

A veteran Parliamentarian, he took keen interest in the proceedings of the House.

He passed away around mid-night of 3rd/4th August, 1982 at Varanasi at the age of 78.

We deeply mourn the loss of these friends and I am sure the House will join me in conveying our condolences to the bereaved families.

The House may stand in silences for a short while to express its sorrow.

The Members then stood in silence for a short while.

11. 05 hrs.

ORAL ANSWERS TO QUESTIONS

गुजरात में वैगनों का लदान बन्द किया जाना

* 366. श्री नरसिंह मकवाना : क्या रेल मंत्री बताने की कृपा करेंगे कि - :

(क) पश्चिम रेलवे द्वारा गुजरात के 112 रेलवे स्टेशनों पर 10 अप्रैल, 1982 से वैगनों का लदान और स्थानीय तथा सीधी बुकिंग बन्द किये जाने के क्या कारण हैं ;

(ख) क्या इतनी बड़ी संख्या में रेलवे स्टेशनों पर इस प्रकार बुकिंग बन्द किये जाने से रेलवे को वित्तीय रूप से लाभ होगा और यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं ;

(ग) क्या सरकार को पश्चिम रेलवे के इस निर्णय का विरोध किये जाने के समाचार मिले हैं, और

(घ) क्या सरकार का विचार इस निर्णय को रद्द करने का है ?

THE DEPUTY MINISTER IN THE MINISTRY OF RAILWAYS AND IN THE DEPARTMENT OF PARLIAMENTARY AFFAIRS (SHRI MALLIKARJUN) : (a) to (d) In order to rationalise the working, a number of small stations with meagre traffic open for goods traffic have been closed. The Western Railway initially proposed to close 119 stations

falling in Gujarat State w.e.f. 10-4-1982. The proposal, however, was received in view of the representations received against the proposed closure. As a result, only 17 stations out of 119 stations, initially proposed, have been closed on Western Railway.

श्री नरसिंह मकवाना : मैं मंत्री जी से यह जानना चाहता हूँ कि गुजरात में जो 119 रेलवे स्टेशनों का बुकिंग बन्द करने का प्रस्ताव था, वह किस की तरफ से आया था और उसके अमल के लिये कोई नोटिस जारी किया था और उस प्रस्ताव के आने के बाद इस का अमल किस तारीख से किस तारीख तक हुआ ?

श्री मल्लिकार्जुन : मान्यवर, अनएकानामिक गुड्स टर्मिनल स्टेशनों को बन्द करने के विषय पर 26-9-81 को विचार किया है और यह डिसेजन लिया है कि ऐसे अनएकानामिक गुड्स टर्मिनल स्टेशन जितने भी हैं, जिन में दिन में एक वैगन का लोडिंग भी नहीं होता है, उन को बन्द करने का निर्णय लिया गया है और गुजरात में ऐसे 129 स्टेशनों का पहले एसेसमेंट हुआ। फिर बाद में जब मैम्बर्स आफ पार्लियामेंट और कामर्स एण्ड इंडस्ट्री चैम्बर्स की ओर से रेप्रेजेन्टेशन्स आये, तो फिर रिव्यू कर के, सिर्फ 17 स्टेशनों को क्लोज किया है। ये ऐसे स्टेशन हैं, जिन में प्रति दिन एक वैगन से बढ़कर भी बुकिंग नहीं है।

श्री नरसिंह मकवाना : मैं माननीय मंत्री जी से यह जानना चाहता हूँ कि ऐसे 17 स्टेशन कौन से हैं, जिनमें बुकिंग का काम बन्द कर दिया गया है और कितना बुकिंग होना चाहिये, उस के लिये कोई मापदंड आपने तय किया है और वह मापदंड क्या सारे देश के लिये एक ही है या अलग अलग जोन्स के लिये अलग-अलग है।

श्री मल्लिकार्जुन : मान्यवर, 17 स्टेशनों के नाम तो मेरे पास हैं जैसे लिमबोदरा, पिलवाल रोड, गरीता कोलवेडा, बसई दामला लेकिन इन सब का नाम पढ़ना मुनासिब नहीं होगा। (व्यवधान) ..

एक माननीय सदस्य : मुनासिब क्यों नहीं होगा ?

अध्यक्ष महोदय : मुनासिब नहीं, इन के कहने का मतलब यह है कि इस वक्त इन को पढ़ने की आवश्यकता नहीं है।

श्री मल्लिकार्जुन : आप कहें, तो मैं पढ़ दूँ।
लोदरा, अनाखोल, मौयानी।

अध्यक्ष महोदय : छोड़िए।

DR. SUBRAMANIAM SWAMY : They can give it in writing.

श्री मल्लिकार्जुन : दूसरा जो माननीय सदस्य ने प्रश्न किया है, मैं बताना चाहता हूँ कि भारत सरकार की जो रेलवे की जो यह पालिसी है सब जोनल रेलवेज में यही पद्धति लागू की गई है।

श्री अहमद मोहम्मद पटेल : मैं मंत्री महोदय से यह जानना चाहता हूँ कि चेयरमैन, रेलवे बोर्ड ने क्या यह डिजीजन लिया है या इंस्ट्रक्शन्स दी हैं कि वे रेलवे स्टेशन जहाँ गाड़ियाँ 10 मिनट से कम रुकती हैं, वहाँ लोडिंग या अनलोडिंग न की जाये और जो इस वक्त है उस को बन्द किया जाये। यह डिजीजन सिर्फ वैस्टर्न रेलवे के लिये लिया गया है या सब रेलवेज के लिये लिया गया है और इस डिजीजन को लेने का मकसद क्या है। इससे रेलवे की आय में क्या कोई कटौती हुई है? और जिस मकसद के लिये यह किया गया है, वह वह मकसद हल हुआ है या नहीं?

रेल मंत्री (श्री प्रकाश चन्द्र सेठी) : मैं माननीय सदस्य को यह बताना चाहता हूँ कि असल में नेशनल ट्रांसपोर्ट पालिसी कमेटी 1980 में बैठी थी और उस कमेटी की रिपोर्ट के आधार पर यह डिजीजन लिया गया है मगर जहाँ जहाँ से भी रिप्रेजेन्टेशन्स आये हैं, उन पर गौर किया है। यह जो डिजीजन है यह केवल वैस्टर्न रेलवे में नहीं लिया है, सब जगह लिया है और जैसाकि मूल उत्तर में बताया गया है कि जहाँ 119 ऐसे स्टेशन बन्द होने वाले थे, उसके मुकाबले में अब केवल 17 स्टेशन बन्द किये हैं। इस से माननीय सदस्य अन्दाजा लगा सकते हैं कि कितने रिप्रेजेन्टेशन्स पर पुनः गौर किया गया है। आईन्दा के लिये भी यही पालिसी है कि जहाँ कहीं कठिनाई है, और जहाँ कहीं से रिप्रेजेन्टेशन्स आयेगा, उस पर सहानुभूति से विचार किया जायेगा और उस स्टेशन को चालू करने के बारे में कोशिश की जायेगी।

श्री अहमद मोहम्मद पटेल : इसका मकसद क्या है?

श्री प्रकाश चन्द्र सेठी : जिन स्टेशनों पर चार-पांच वैगनों का लदान या बुकिंग होती है वहाँ वेगस हॉल्ट करना और इंजिन ले जाना काफी अनइकोनोमिक है। जिन स्टेशनों के चार-पांच किलोमीटर की दूरी पर दूसरे हॉल्ट हैं, ऐसे ही स्टेशनों को बन्द किया गया है। इसके लिये ऐसी पालिसी बनायी गयी है कि इनके बारे में केवल जनरल मैनेजर तय नहीं करेंगे, मिनिस्ट्री से पूछने पर यह तय किया जायेगा।

श्री दीनबन्धु बर्मा : क्या यह बताने का कष्ट करेंगे कि अहमदाबाद से डूंगरपुर के लिये डायरेक्ट गुड्स बुकिंग नहीं होती है जबकि यह इकोनोमिकल्ली वाएबल है?

अध्यक्ष महोदय : यह प्रश्न इससे ही उठता है।

श्री मल्लिकार्जुन : मान्यवर, अहमदाबाद से डूंगरपुर के लिये बुकिंग नहीं होती है, इसका जवाब मेरे पास नहीं है।

अध्यक्ष महोदय : इसका जवाब भिजवा देना।

Passport applications pending in Regional Passport Office, Ahmedabad

*367. SHRI NAVIN RAVANI :

SHRI MOHAN LAL PATEL :

Will the Minister of EXTERNAL AFFAIRS be pleased to lay a statement showing :

(a) the number of applications which were pending in the Regional Passport Office at Ahmedabad as on 1 July, 1981;

(b) the number of new applications received during the year 1981 and the number of passports issued ;

(c) the number of applications rejected and the broad reasons of rejection;

(d) whether it is a fact that there are complaints against the Regional Passport Office, Ahmedabad that they are delaying issuing of passports deliberately; and

(e) if so, the details thereof and the action taken for quick disposal of the applications for issue of passports ?